National Centre for Polar and Ocean Research

The National Centre for Polar and Ocean Research (NCPOR) is a leading Indian institution dedicated to polar and ocean research, operating under the Ministry of Earth Sciences (MoES). Established in 1992 in Vasco-Da-Gama, Goa, as the Antarctic Study Centre to support the Indian Antarctic Expeditions. This early focus on Antarctic logistics laid the foundation for its evolution into a prominent scientific research hub.

Since its inception, NCPOR has undergone significant transformation. Initially a logistics support base, it expanded its focus to encompass polar, oceanic, and Himalayan environments, with core expertise in cryosphere studies and polar operations. The centre moved to a new, dedicated campus in Goa in 1996, a facility dedicated to the nation on April 5, 2000. This milestone marked the beginning of an expanded research mandate. Over time, NCPOR broadened its research portfolio to include Oceanography, Arctic studies, and Himalayan research. This growth led to its rebranding as the National Centre for Antarctic and Ocean Research (NCAOR), and eventually in 2018, it was renamed the National Centre for Polar and Ocean Research to better reflect its comprehensive scope.

NCPOR's multi-dimensional mandate encompasses the management of all scientific and logistical aspects of India's annual expeditions to the Antarctic, Arctic, and Southern Ocean. This includes overseeing the operations and maintenance of the Indian research bases—Maitri and Bharati in Antarctica, Himadri in the Arctic, and Himansh in the Himalayas—which serve as vital centres for extensive research on climate change and environmental dynamics. Adding to the significance of these stations, the Department of Posts established a post office at the Maitri research station on 26 January 1990, and more recently opened a second branch at the Bharati research station on 5 April 2024, where members of the 43rd Indian Scientific Expedition to Antarctica (ISEA) nominated as Branch Postmasters. Beyond polar and high-altitude operations, NCPOR is heavily involved in geoscientific research within India's Exclusive Economic Zone (EEZ) and extended continental shelf. The centre conducts comprehensive surveys and is engaged in deep-sea drilling through the Integrated Ocean Drilling Program (IODP), exploring non-living oceanic resources like gas hydrates and multi-metal sulphides. These activities are integral to the Government of India's Deep Ocean Mission.

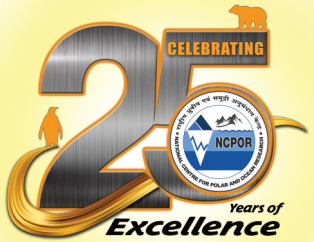
Over the past 25 years, NCPOR has established itself as a pivotal player, contributing critical insights to global climate change and marine ecosystem research, fostering international collaborations, and advancing scientific knowledge. Department of Posts is releasing a commemorative postage stamp on NCPOR's remarkable 25-year journey.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/: Cancellation Cachet	:	Smt. Vinita Sinha
Text	:	Based on information received from the proponent

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS





राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र
NATIONAL CENTRE FOR POLAR AND OCEAN RESEARCH

विवरणिका BROCHURE

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र

राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र (एनसीपीओआर); पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के अधीन कार्यरत है। यह ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान को समर्पित एक अग्रणी भारतीय संस्थान है। वर्ष 1992 में वास्को–डी–गामा, गोवा में अंटार्कटिक अध्ययन केन्द्र के रूप में स्थापित इस संस्थान का उद्देश्य भारतीय अंटार्कटिक अभियानों में सहयोग करना था। अंटार्कटिक लॉजिसटिक्स के क्षेत्र में इस संस्थान के आरंभिक कार्यों ने इसे प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्र के रूप में उभरने में मदद की।

एनसीपीओआर की शुरुआत के बाद इसमें काफी महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। आरंभ में लॉजिस्टिक्स सहायता केन्द्र के रूप में कार्य करने के पश्चात इसने हिममंडल (क्रायोस्फेयर) अध्ययन और ध्रुवीय प्रचालन के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के बल पर अपने कार्यक्षेत्र को ध्रुवीय, समुद्री, और हिमालयी पर्यावरण तक विस्तारित किया। वर्ष 1996 में यह केन्द्र गोवा में एक नए समर्पित परिसर में स्थानांतरित हो गया। जिसे 5 अप्रैल, 2000 को राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके साथ ही 'विस्तारित अनुसंधान अधिदेश' पर कार्य की शुरूआत हुई। समय के साथ–साथ, एनसीपीओआर ने अपने अनुसंधान पोर्टफोलियो में विस्तार करते हुए समुद्र–विज्ञान, आर्कटिक अध्ययन, और हिमालयी अनुसंधान पर कार्य करना शुरू किया। इस प्रगति के फलस्वरूप इस संस्थान को राष्ट्रीय अंटार्कटिक और समुद्री अनुसंधान केन्द्र (एनसीएओआर) नाम दिया गया, और अंत में, वर्ष 2018 में इसके व्यापक कार्यक्षेत्र को बेहतर ढंग से प्रतिबिम्बित करते हुए इसका नाम बदलकर 'राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र' कर दिया गया।

एनसीपीओआर के बहुआयामी अधिदेश में अंटार्कटिक, आर्कटिक, और दक्षिणी ध्रुव सागर क्षेत्र में भारत के वार्षिक अभियानों के लिए सभी प्रकार के वैज्ञानिक और लॉजिस्टिक्स पहलुओं का प्रबंधन करना शामिल है। इसमें भारतीय अनुसंधान केन्द्रों : अंटार्कटिका में 'मैत्री' और 'भारती', आर्कटिक में 'हिमाद्री', और हिमालय में 'हिमांश' के प्रचालन और रखरखाव का पर्यवेक्षण करना भी शामिल है जो जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय गतिशीलता पर व्यापक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में काम करते हैं। इन केन्द्रों के महत्व को बढ़ाते हुए, डाक विभाग ने 26 जनवरी 1990 को मैत्री अनुसंधान केन्द्र पर एक डाकघर की स्थापना की, और हाल ही में 5 अप्रैल 2024 को भारती अनुसंधान केन्द्र पर एक दूसरी शाखा खोली, जहां अंटार्कटिका के लिए 43वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान (आईएसईए) के सदस्यों को शाखा पोस्टमास्टर के रूप में नामित किया गया। ध्रुवीय और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों से संबंधित अनुसंधान में प्रचालनगत सहायता प्रदान करने के अलावा, एनसीपीओआर भारत के अनन्य आर्थिक जोन (ईईजेड़) और विस्तारित महाद्वीपीय शेल्फ में भू–वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ी तल्लीनता से कार्य कर रहा है। यह केन्द्र व्यापक सर्वेक्षण आयोजित करता है और अजीवित समुद्री संसाधनों जैसे गैस हाइड्रेट्स, और बहु–धातुई सल्फाइड्स की खोज करने हेतु एकीकृत महासागर ड्रिलिंग कार्यक्रम (आईओडीपी) के माध्यम से गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के कार्य में लगा हुआ है। ये गतिविधियां भारत सरकार के गहन समुद्री अभियान का अभिन्न हिस्सा हैं।

पिछले 25 वर्षों में, एनसीपीओआर ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण गूढ जानकारी साझा करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने, और वैज्ञानिक शोध को नई ऊँचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए स्वयं को इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में स्थापित किया है। डाक विभाग राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केन्द्र (एनसीपीओआर) की 25 वर्ष की विलक्षण यात्रा पर स्मारक डाक टिकट जारी कर रहा है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : श्रीमती विनीता सिन्हा

पाठ : प्रस्तावक से प्राप्त जानकारी पर आधारित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 303875
Stamps Printed	: 303875
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00